

बनाना है तो फूल बनो

उमेश कुमार

बनाना है तो फूल बनो
काँटों से भी दोस्ती करो
आपनी खुसबू बिखराओ
ऐसा हैस्मुख बन जाओ
डाल-डाल पात-पात
से करो तुम दोस्ती
इस वन में इस चमन में
तुम करते रहो मस्ती
जो तुम्हे मशाल दे
उसको भी तुम महकाओ
अहिंसा की पाठ पुरानी
मन से निकालो सैतानी
तुम जहा जाओ खुशियाँ लाओ
बनाना है तो फूल बनो